जाग उठा हमारा आजाद हिन्दुस्तान

07 फरवरी 2023

ढोंग की जिंदगी जीने से अच्छा है कि ढंग की जिंदगी जियों-पंडित प्रदीप मिश्रा

बुरहानपुर। लोभी, भोगी, कामी, रोगी और ढोंगी इन पांच को कभी चैन की नींद नहीं आती। ढोंग की जिंदगी जीने से अच्छा है कि ढंग की जिंदगी जी लो। श्री शिव महापुराण कहती है कि आप तो शिव के द्वार पर दस्तक दे दो, बस! फिर शिव जी की मर्जी, वो आपको कितनी देर तक अपनी शरण में स्थान देता है। आपकी आराधना और अर्चना के लिए अपने मंदिर में कितना समय रहने दे। जितना समय आप शिव आराधना में देते हो उसका ढिंढोरा पीटना और पूजा-अर्चना का व्याख्यान करके खुद को सबसे बड़ा शिव भक्त बताने वाले कितने सुखी और चैन की नींद सो पाते है, वे खुद ही बता सकते है।

यह बात श्री अश्वत्थामा शिव महापुराण कथा के तृतीय दिवस पंडित प्रदीप मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि प्रभु भक्ति में लीन ग्रहस्थ हो या साधु, सन्यासी केवल संतोषी व्यक्ति ही अल्मस्त होकर चैन की नींद सोता है।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने गांव और शहरी सोच को विस्तृत रूप से रखते हुए कथा संयोजक एवं पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) से कहा कि आप जनप्रतिनिधि होने के नाते भलीभांति जानती है कि गांव और शहर की सोच और भक्ति भाव में कितना अंतर है। जैसे गांव में भिखारी को भी सन्यासी मानकर भिक्षा मिल जाती है तो शहर में कुछ लोग तपस्वी संत सन्यासी को भी महत्व नहीं देते। जिससे धर्म और साधु सन्यासी के प्रति विचारों का शहरी संस्कृति में ऐसा नजरियां ही वास्तु-दोष काल सर्प दोष, पितृ दोष के फंदे में फंसने का कारण बन रहे है। उन्होंने कहा कि जो शिव भक्त अपने घर से जल लेकर जाता और अपने मन की बात शिव जी के समक्ष रखता है, तो उसकी एकाग्रता और भाव के आधार पर ही भोला उसकी समस्या को हल करता है। श्री मिश्रा ने वास्तु-दोष काल सर्प दोष, पितृ दोष बताने वालों से पूछा कि इन सबका बाप कौन है। क्या श्री शिव महापुराण के वाचन और सच्ची शिव भक्ति से यह दोष स्वमेव दूर नहीं भाग जाते?

पंडित प्रदीप मिश्रा ने गुरुनानक देव जी के दिए उपदेश का वर्णन कर लंगर सेवा की सराहना की। संत रैदास जी के गुणों का बखान करते हुए मीरा की भक्ति को भी समझाया। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में कभी वर्णभेद, जाति भेद की व्यवस्था ही नहीं रही। सनातन संस्कृति में तो वेद, पुराण, कथा को चौपाई (4 वर्णों) पर रखकर ही पढ़ा जाता था और है। स्वार्थी व आततायी ही धर्म का विभाजन करके अपने स्वार्थ सिद्ध करते रहे।

शिवपुराण कहती है, जिसने भजन कीर्तन किया वो सबसे धनी व्यक्ति हैं। बाकी तो समाज में धन और सम्पत्ति का मापदण्ड ही महत्व रखता है। आप मेहनत करते रहो, कर्म ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगा। आपकी प्रगति और मेहनत ही सफलता का कारण होती हैं। जब सफलता मिलेगी तो वह ईर्ष्या का कारण बनेंगी। जिससे हमें घबराने की जरूरत नहीं। आपके पास जब यश, वैभव, धन, सम्पत्ति होगी तो लोग आपकी पुछ परख करेंगे किन्तु भोलेनाथ तो केवल भजन, कीर्तन और आपके भाव भक्ति का भूखा है। उसे तो केवल एक लोटा जल और बेलपत्रि चढ़ा दो तो आपने बेलपत्रि को किस भाव से स्पर्श किया वह खुद आपके मन की बात को समझ लेता है।

अश्वत्थामा जी की कथा को आगे बढ़ाते हुए श्री प्रदीप मिश्रा ने कहा कि जब वह शिव जी से वरदान पाकर गुरू द्रोणाचार्य से मिले तो पिता अपने पुत्र को राजा से मिलाने ले आया। इस प्रसंग पर सीख देते हुए पंडिप प्रदीप मिश्रा ने कहा कि बुरहानपुर वासियों आप कभी अपने बच्चों को ऐसे दोस्त के पास मत ले जाना जो व्यसनी हो, गाली देता हो, बुराईयों का पिंड हो उसको अपने बच्चे से मत मिलवाना। अपने बच्चों को सनातन, संस्कारी और अच्छी आदतों का धनी बनाओ ताकि वो आपके भविष्य का सहारा बन सके।

कथा के शुरूआत में संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण पंडित प्रदीप मिश्रा, कथा संयोजक श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) एवं अध्यक्ष माधवबिहारी अग्रवाल ने माल्यार्पण कर नमन किया।

विकास का संदेश लेकर निकली 6 विधानसभाओं में विकास यात्राएं

खरगोन 5 फरवरी 23/मप्र शासन द्वारा रविवार से प्रदेश की सभी विधानसभाओं में विकास यात्राएं प्रारम्भ हुई। इसी परिप्रेक्ष्य में खरगोन जिलें कि 6 विधानसभाओं में भी यात्राएं प्रारम्भ हुई है। खरगोन विधानसभा की यात्रा कुन्दा तट स्थित प्राचीन कालादेवल महादेव मंदिर से प्रारम्भ हुई। यहां कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने यात्रा के दौरान होने वाली गतिविधियों और मप्र शासन की योजनाओं से हुए विकास के बारे में जानकारी दी। इसके बाद कलेक्टर श्री वर्मा ने विकास यात्रा के रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व संत रविदास की पूजा अर्चना किया गया। इस दौरान विधायक श्री रवि जोशी, नपा अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, पूर्व विधायक श्री बाबूलाल महाजन, श्री राजेन्द्र राठौर, श्री रणजीत डंडीर, श्री परसराम चौहान, मप्र पाठ्य पुस्तक निगम के उपाध्यक्ष श्री भागीरथ कुमरावत, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिराली जैन, एसडीएम श्री ओएन सिंह, नपा सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल, तहसीलदार श्री योगेन्द्र मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि व पार्षगदगण उपस्थित रहे।

सराफा से निकली विकास यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

कलादेवल से निकली विकास यात्रा गणेश मंदिर होकर किला गेट के भीतर से होकर सराफा बाजार से राधावल्लभ मार्केट पहुँची। यहां आयोजित शिविर में पूर्व कृषि राज्य मंत्री श्री बालकृष्ण पाटीदार ने संबोधित किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विकास वही जो हमें कोई कच्चा मकान आज पक्का बनकर रहने के काम आ रहा है। इसकी असली खुशी वही व्यक्ति बता सकता है जो योजना का लाभ पाकर आने कच्चे मकान से पक्के में रहने लगा है। विकास स?कों के माध्यम से भी होता है। भारत शासन और मप्र शान की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से व्यक्तिगत विकास हुआ है। इसी तर्ज स?कों पुल पुलिया के माध्यम से सार्वजनिक विकास हुआ है। यहां पीएम स्वनिधि के हितग्रहियों को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किये गए।

विकास यात्रा में हितग्राही ने लोकगीत में प्रस्तुत किया योजनानामा

घर-घर त हमक गैस भी दियो,

अब बंद करि दियो लकसी को बोझ.....

खरगोन 5 फरवरी 23/मप्र विकास यात्रा में खरगोन विधानसभा की यात्रा के पहले शिविर राधावल्लभ मार्केट में एक अनोखा दृश्य हितग्राही लीला साँवले ने प्रस्तुत किया। उन्होंने भारत शासन और मप्र शासन द्वारा योजनाओं के माध्यम से सामूहिक और व्यक्तिगत विकास के लिए बनाई योजनाओं का योजनानामा लोक गीत के माध्यम से रखा। उन्होंने अपने लोकगीत में सुनाया कि घर-घर त हमक गैस भी दियो, अब बंद करि दियो लक?ी को बोझ.....। उन्होंने अपनी इस प्रस्तुति में पीएम आवास, पीएम स्वनिधि, पीएम उज्जवला, आयुष्मान कार्ड योजना और स्वच्छ भारत मिशन की योजनाओं का बखूबी गुणगान किया। इन योजनाओं से समाज में आये बदलाव की सच्ची तस्वीर दिखाई। लीला बाई के बाद स्वनिधि योजना का लाभ लेकर अपना रोजगार स्थापित करने वाले संजय राठौर ने अपने जीवन के विकास के बारे में बताया।

कोरोना ने छीना रोजगार, स्वनिधि से पुनः स्थापित हुआ कामकाज

वार्ड क्रमांक 33 के संजय राठौर बखूबी जानते हैं कि योजनाओं के सहारे कोई भी पात्र व्यक्ति कैसे अपना कामकाज या रोजगार स्थापित कर सकता है। क्योंकि वे उन हालातों से गुजरे हैं। उनके पास कोरोना के समय मोटर सायकल पंचर का रोजगार था लेकिन इस महामारी ने वो भी छीन लिया। ऐसे समय में पीएम स्वनिधि से सहारा पाकर संजय आज अपना खुद के काम को ऊंचाई पर ला ख?ा किया है। उनको स्वनिधि से पहले 10 हजार रुपये फिर 20 हजार और तृतीय ?स्त के रूप में 50 हजार रुपये

संगम सिरलाय को हरा दक्ष इलेवन पहुंची फाइनल में

बड़वाह ⁼ शासकीय महाविद्यालय बड़वाह मैदान में हुए रोमांचक मुकाबले में दक्ष इलेवन बड़वाह ने संगम सिरलाय टीम को हराकर फाइनल में क्वालीफाई किया सिक्के की उछाल जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला कर 6 ओवरों में 96 रन का टारगेट संगम सिरलाय को दिया।कठिन लक्ष्य को संगम टीम भेद नहीं पाई और रोमांचक मुकाबले में हारकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।मैन ऑफ द मैच विक्रम गोहर ने 72 रन बनाए व विक्की गोहर 55 का उनको बखूबी साथ मिला 7लोकप्रिय खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल द्वारा हर विधानसभा स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में बड़वाह व सनावद दोनो स्थानों पर अलग अलग क्वालीफाई मैच हुए।प्रतियोगिता का फाइनल 9 फरवरी को इसी मैदान पर खेला जाएगा।क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 64 टीमों ने भाग लिया जिसमे अंतिम 8 टीमों शासकीय कॉलेज बड़वाह, आईटीआई कॉलेज बड़वाह, दक्ष इलेवन ए, संगम सिरलाय, रितिक आदिवाल इलेवन, दक्ष इलेवन बी, संगम इलेवन बी मैच रविवार को भारी दर्शक संख्या के बीच हुए।दर्शकों ने सभी मैचों का लुत्फ उठाया।समन्वयक जितेंद्र सुराणा, कार्यक्रम संयोजक सीटू राजपाल, सह संयोजक भूपेंद्र भाटिया, बंटी लोढ, प्रशांत बाचपेयी, सांसद प्रतिनिधि श्याम शर्मा,बृजेश यादव, ऐश्वर्य उमड़ेकर, यशवंत जाधव, निशांत सोनी, सावित्री चौरसिया, बबीता सोनी,गणेश चौधरी आदि का सहयोग रहा । कमेंट्री लल्ला कुशवाहा, महेश वर्मा आदि ने की ।